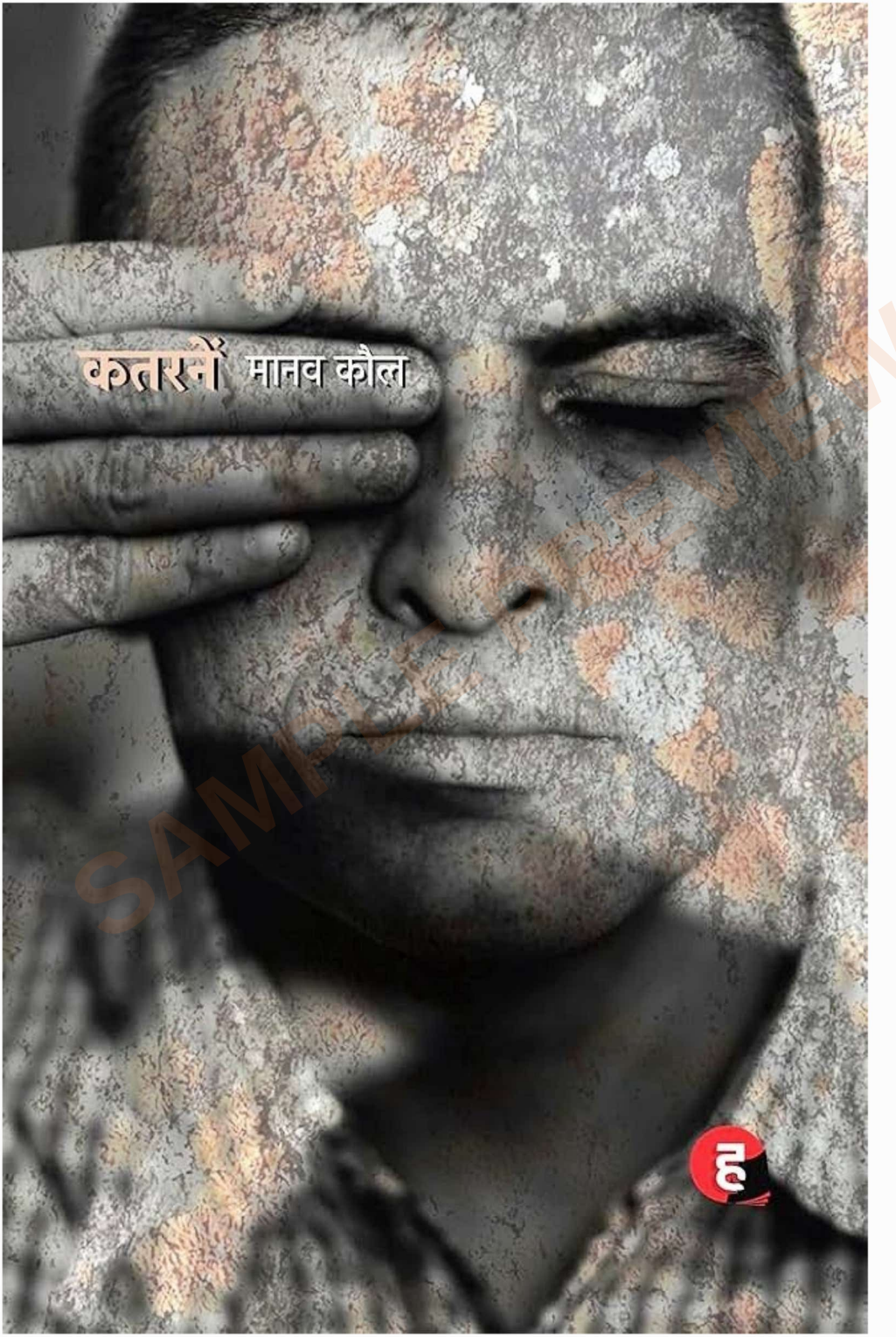

कतरनें
मानव कौल

@reading1place

कतरनें

(न कहानी, न कविता)

इन्हें बटोर लेना
ये कतरनें तुम्हारी ही हैं।

SAMPLE PREVIEW

Preview ends here

196 more page(s) in the full PDF.

Buy this PDF or take a subscription on Padhai Pitara to unlock.